

वचन के निर्धारक (Determinants of Savings)  
वचन के निम्नलिखित तीन निर्धारकों की चर्चा :-

(क) वचन करने की इच्छा (Will to save)

- (1) परिवार से प्रेम (Family Affection)
- (2) सावधानी (Precaution)
- (3) जीवन-स्तर (Standard of living)
- (4) दूरदृष्टि (Farsightedness)
- (5) सूचिचारित दिमाग (Calculating Mind)
- (6) उद्यम (Enterprises)
- (7) स्वतंत्र (Independent)
- (8) सामाजिक प्रतिष्ठा (Social status)
- (9) कृपणता (Misery)

(ख) वचन करने की शक्ति (Power to save)

- (1) राष्ट्रीय आय की मात्रा (Size of National Income)
- (2) प्राकृतिक संसाधन (Natural Resources) - आर्थिक दशाएँ एवं देश की आय उसके प्राकृतिक संसाधनों अर्थात् भूमि, जल, खनिज पदार्थों आदि पर निर्भर करती है। इन प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर उपयोग उत्पादन बढ़ाने में मदद करता है। यह आय बढ़ाता है जिससे वचन करने की शक्ति बढ़ती है।
- (3) व्यापार (Trade)
- (4) औद्योगिक विकास (Industrial development)
- (5) कृषि विकास (Agricultural development)

10.11.20

(6) श्रम की कुशलता (Efficiency of Labour)

(7) धन और आय का वितरण (Distribution of Wealth and Income)

(8)

(9) बचत करने की सुविधाएँ (Facilities to Save)

बचत न केवल बचत करने की इच्छा और उनकी शक्ति पर निर्भर करती है बल्कि वह बचत करने की सुविधाओं पर भी निर्भर करती है। ये सुविधाएँ निम्न हैं:-

(1) शांति और सुरक्षा (Peace and Security)

(2) बैंकिंग सुविधाएँ (Banking Facilities)

(3) कर नीति (Taxation Policy)

(4) मुद्रा का मूल्य (Value of Money)

(5) निवेश के अवसर (Investment Opportunities)

(6) सरकार की आर्थिक नीति (Economic Policy of Government)